विश्वनाथ का स्वर्णिम पंच : 5-0 से जीतकर भारत को दिलाया गोल्ड

एशियाई मुक्केबाजी में भारत ने किया दमदार प्रदर्शन

उलानबटोर, 10 अप्रैल. एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण सहित कुल 16 पदक जीतकर अपना अभियान दमदार अंदाज़ में समाप्त किया.

प्रतियोगिता के आखिरी दिन भारतीय मुक्केबाज़ विश्वनाथ सुरेश ने पुरुषों के 50 किलोग्राम भार वर्ग में जापान के दाइची इवाई को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया. इस जीत के साथ भारत पदक तालिका में कजाकिस्तान के बाद दूसरे स्थान पर रहा, लेकिन कुल पदकों की संख्या में सबसे आगे रहा. खास बात यह रही कि भारतीय महिला टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 10 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया. एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 भारत के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक और उत्साहजनक साबित हुई.

मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारतीय मुक्केबाज़ों ने न सिर्फ पदक जीते, बल्कि अपने प्रदर्शन से यह भी दिखा दिया कि देश में बॉक्सिंग का भविष्य बेहद उज्ज्वल है. प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत के युवा मुक्केबाज़ विश्वनाथ सुरेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 50 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता.

उन्होंने जापान के दाइची इवाई को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराया. यह मुकाबला शुरुआत से ही विश्वनाथ के नियंत्रण में रहा और उन्होंने अपनी तकनीक, गति और सटीक पंचों के दम पर प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया. विश्वनाथ की यह जीत न सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर के लिए अहम है, बल्कि यह भारतीय बॉक्सिंग में उभरती नई प्रतिभाओं का भी संकेत है. उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में जिस आत्मविश्वास और आक्रामकता के साथ खेल दिखाया, वह काबिल-ए-तारीफ रहा. भारत ने इस चैंपियनशिप में कुल पांच स्वर्ण पदक जीते, जो उसे पदक तालिका में दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए पर्याप्त रहे.

> इस शानदार प्रदर्शन पर बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने टीम की सराहना की. उन्होंने कहा कि यह अभियान भारतीय मुक्केबाजी के लिए बेहद खास रहा है, खासकर महिला टीम के लिए, जिसने चार स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया. अजय सिंह ने यह भी कहा कि टीम में हाल ही में कई बदलाव हुए थे, खासकर पिछली विश्व चैंपियनशिप के बाद, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया.

अहमदाबाद में स्पोर्ट्स अकादमी की शुरुआत

▸ अकादमी का औपचारिक रूप से आज उद्घाटन हुआ

अहमदाबाद, 10 अप्रैल अहमदाबाद में एसआरटी 10 ऐल्टेवाल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्पोर्ट्स अकादमी का आज औपचारिक रूप से उद्घाटन हुआ.

यह भारत में व्यवस्थित और उच्च-गुणवत्ता वाले जमीनी स्तर के क्रिकेट विकास के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. यह देश का ऐसा दूसरा केंद्र है, जो नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स सेंटर में स्थित एसआरटी 10 ग्लोबल अकादमी की सफलता को आगे बढ़ाता है. उद्घाटन दिवस की शुरुआत एक

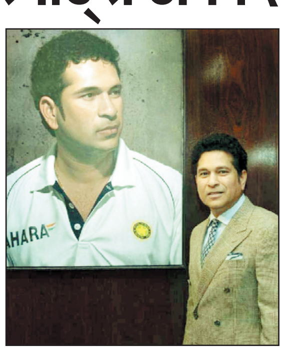

पारंपरिक पूजा समारोह के साथ हुई, जिसके बाद एक गहन क्रिकेट सत्र आयोजित किया गया. इस सत्र ने युवा प्रतिभागियों को अकादमी के प्रशिक्षण दर्शन और पेशेवर कोचिंग माहौल का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया.

इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण सचिन तेंदुलकर के साथ एक विशेष वर्चुअल संवाद था. उन्होंने छात्रों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए अपनी यात्रा से जुड़े अनुभव साझा किए और खेल के प्रति अनुशासन, निरंतरता और प्रेम के महत्व पर जोर दिया.

> इस शुरुआत के साथ, एसआरटी 10 ऐल्टेवाल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्पोर्ट्स अकादमी का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक सशक्त मंच तैयार करना है. यह केंद्र आधुनिक प्रशिक्षण पद्धतियों को क्रिकेट की सबसे सम्मानित विरासत में निहित मार्गदर्शन के साथ जोड़कर आगे बढ़ेगा.

सबालेंका स्टटगार्ट ओपन से हटीं

स्टटगार्ट, 10 अप्रैल विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी आर्यना सबालेंका चोट के कारण स्टटगार्ट ओपन से हट गई हैं.

उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, 'मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैं इस साल पोर्श टेनिस ग्रां प्री में नहीं खेल पाऊंगी. दुर्भाग्य से, मियामी के बाद मुझे चोट लग गई, और हालांकि मैंने समय पर ठीक होने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन मैं अभी मुकाबले के लिए तैयार नहीं हूं.' सबालेंका पिछले महीने 'सनशाइन डबल' जीतने वाली सिर्फ पांचवीं महिला खिलाड़ी बनीं, जब उन्होंने इंडियन वेल्स में अपनी जीत के बाद मियामी में भी सफलता

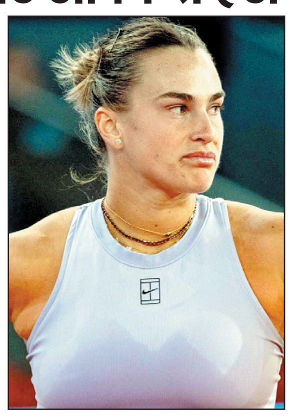

हासिल की. बेलारूस की यह खिलाड़ी, जो स्टटगार्ट में चार बार उपविजेता रही हैं, उनकी जगह इस टूर्नामेंट में पोलैंड की मैग्डालेना फ्रेच लेंगी. यह टूर्नामेंट सोमवार से शुरू हो रहा है.

राजस्थान ने बेंगलुरु को धोया

202 रन का लक्ष्य 18 ओवर में हासिल किया

गुवाहाटी 10 अप्रैल. इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के मैच नंबर-16 में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हुआ. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने 6 विकेट से जीत हासिल की. मुकाबले में आरसीबी ने राजस्थान को जीत के लिए 202 रनों का टारगेट दिया था, जिसे उसने 18 ओवर में हासिल कर लिया.

राजस्थान की जीत में वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल की अहम भूमिका रही. वैभव ने 26 बॉल पर 78 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और सात छक्के शामिल थे. वहीं जुरेल ने 8 चौके और 3 छक्के की मदद से 43 बॉल पर नाबाद 81 रनों का योगदान दिया. राजस्थान रॉयल्स की मौजूदा सीजन में ये लगातार चौथी जीत रही. रनचेज में राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही. दूसरे ही ओवर में राजस्थान रॉयल्स ने यशस्वी जायसवाल (13 रन) का विकेट गंवा दिया, जो जोश हेजलवुड की गेंद पर विकेट के पीछे लपके गए. यशस्वी तो आउट हो गए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बैटिंग जारी रही. वैभव ने सिर्फ 15 गेंदों पर फिफ्टी जमा दी, जिसमें सात चौके और चार छक्के शामिल रहे.

वैभव सूर्यवंशी का साथ ध्रुव जुरेल ने भी बखूबी दिया और तूफानी बल्लेबाजी की. वैभव और

जुरेल के बीच दूसरे विकेट के लिए 37 बॉल पर 108 रनों की साझेदारी हुई. इस साझेदारी को क्रुणाल पंड्या ने ब्रेक किया, जिन्होंने वैभव को पवेलियन भेजा. वैभव ने 8 चौके और सात छक्के की मदद से 26 बॉल पर 78 रन बनाए. क्रुणाल पंड्या ने इसके बाद अगली ही गेंद पर शिमरॉन हेटमायर (0 रन) को भी चलता कर दिया. वहीं रियान पराग (3 रन) का विकेट जोश हेजलवुड ने झटका. पराग के आउट होने के समय राजस्थान का स्कोर 134/4 था. यहां से रवींद्र जडेजा (24* रन) और ध्रुव जुरेल ने नाबाद 68 रन जोड़कर टीम को जीत दिला दी. टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 8 विकेट पर 201 रन बनाए थे.

स्कोर बोर्ड

बेंगलुरु बल्लेबाजी	रन	गेंद	चौके	छक्के
फिल साल्ट	0	1	0	0
विराट कोहली 32	16	7	0	
देवदत्त पडिक्कल	14	7	3	0
रजत पाटीदार	63	40	4	4
क्रुणाल पंड्या	1	6	0	0
जितेश शर्मा	5	8	0	0
टिम डेविड	13	9	2	0
रोमारियो शेफर्ड	22	11	2	1
वेंकटेश अय्यर	29	15	1	2
भुवनेश्वर कुमार	9	7	1	0

अतिरिक्त 13, **कुल** 20 ओवर में 201/8

राजस्थान गेंदबाजी- जोफ्रा आर्चर 3-0-33-2, नंद्रे बर्गर 3-0-32-0, संदीप शर्मा 4-0-47-1, रवि बिश्नोई 4-0-32-2, रवीन्द्र जड़ेजा 2-0-14-1, ब्रिजेश शर्मा 4-0-37-2.

राजस्थान रॉयल्स बल्लेबाजी				
यशस्वी जयसवाल	13	8	0	2
वैभव सूर्यवंशी	78	26	8	7
ध्रुव जुरेल	81	43	8	3
शिम्रोन हेटमायर	0	1	0	0
रियान पराग	3	5	0	0
रवीन्द्र जड़ेजा	24	25	1	0

अतिरिक्त 3,

कुल 18 ओवर में 202/4

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गेंदबाजी- भुवनेश्वर कुमार 4-0-37-0, जोश हेज़लवुड 4-0-44-2, अभिनंदन सिंह 3-0-54-0, क्रुणाल पंड्या 4-0-30-2, टिम डेविड 1-0-18-0, रोमारियो शेफर्ड 2-0-18-0

एक नजर में

एमएस धोनी को अपना आदर्श मानते हैं मुकुल

कोलकाता. लखनऊ सुपर जायंट्स को कोलकाता नाईट राइडर्स के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाने वाले मुकुल चौधरी पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी को अपना आदर्श मानते हैं. जियोहॉटस्टार से बात करते हुए, मुकुल चौधरी ने एम एस धोनी के प्रति अपनी प्रशंसा के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा एमएस धोनी को अपना आदर्श मानता हूँ क्योंकि मैं भी एक फिनिशर हूँ. मैं हमेशा उनसे प्रेरणा लेता हूँ. उनका 'हेलीकॉप्टर शॉट', जो कि बहुत मशहूर है, मेरा पसंदीदा है. जिस तरह से उन्होंने 2011 वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी की थी, वह हर किसी को याद है. मैं भी उनकी तरह बनना चाहता हूँ, मैचों को फिनिश करना चाहता हूँ और अपनी टीम को जीत दिलाने में मदद करना चाहता हूँ.'

खलिन ने 4 शॉट से जीता आंध्र ओपन का खिताब

विशाखापत्तनम. खलिन जोशी ने विशाखापट्टनम के ईस्ट पॉइंट गोल्फ क्लब में खेले गए 1 करोड़ रुपये के आंध्र ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2026 में दो-अंडर 69 का स्कोर बनाते हुए अपना सातवां पेशेवर खिताब जीता. 33 वर्षीय बेंगलुरु के खलिन (68-68-70-69) ने कुल नौ-अंडर 275 के स्कोर के साथ चार शॉट के आरामदायक अंतर से जीत दर्ज की. इस जीत से उन्हें 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली और वे 2026

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 55वें स्थान से 12वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि उनकी सीजन कमाई 18,13,875 रुपये हो गई. चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (70-70-74-65), जो टूर पर दो बार के विजेता हैं, ने अंतिम राउंड में कोर्स रिकॉर्ड छह-अंडर 65 का स्कोर बनाकर 13वें स्थान से छलांग लगाई और कुल पांच-अंडर 279 के साथ उपविजेता रहे, जो विजेता से चार शॉट पीछे थे. जोशी ने अंतिम राउंड की शुरुआत सात-अंडर पर तीन शॉट की बढ़त के साथ की और दो-अंडर 69 का स्कोर बनाते हुए पांच बर्डी और तीन बोगी के साथ खिताब अपने नाम किया.

'ग्रैंड ओल्ड मैन' कहे जाने वाले गोपीनाथ का निधन

चेन्नई. इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पहली टेस्ट जीत का हिस्सा रहे सीडी गोपीनाथ का कल शाम यहां निधन हो गया. भारतीय क्रिकेट के 'ग्रैंड ओल्ड मैन' कहे जाने वाले सीडी गोपीनाथ 1952 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पहली टेस्ट जीत का हिस्सा रहे आखिरी जीवित सदस्य थे.ऑस्ट्रेलिया के नील हार्वे के बाद, वह दुनिया भर में दूसरे सबसे उम्रदराज जीवित क्रिकेटर थे. वह 96 वर्ष के थे. उनके परिवार में उनकी पत्नी कोमाला, तीन बच्चे और पोते-पोतियां हैं. एक मार्च, 1930 को जन्मे चिंगलपुट दोराईकन्नू गोपीनाथ, दाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज थे. उन्होंने 1951 से 1960 के बीच आठ टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 12 पारियों में 242 रन बनाए, जिसमें 50 रन (नाबाद) उनका सर्वोच्च स्कोर था. आठ टेस्ट मैचों में भारत के लिए गेंदबाजी की एकमात्र पारी में, उन्होंने 11 रन देकर एक विकेट हासिल किया था. प्रथम श्रेणी क्रिकेट में, उन्होंने 83 मैचों (119 पारियों) में 4,259 रन बनाए, जिसमें नौ शतक और 23 अर्धशतक शामिल थे; उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 234 रन था. गेंदबाजी में उन्होंने 14 विकेट लिए, जिसमें 15 रन देकर 3 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था. वह मद्रास (अब तमिलनाडु) टीम के भी एक प्रमुख सदस्य थे, जिसने 1954-55 के सत्र में रणजी ट्रॉफी जीती थी.

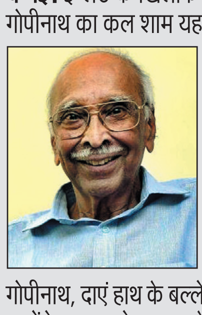

सिनर ने क्वार्टर-फाइनल में बनाई जगह

मोनाको, 10 अप्रैल. जानिक सिनर ने 186 दिनों में पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स इवेंट में एक सेट गंवाया, लेकिन फिर भी वह टॉमस माचाक को हराकर मोंटे कार्लो क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे.

इस इतालवी खिलाड़ी ने पिछले तीन मास्टर्स 1000 खिताब - पेरिस, इंडियन वेल्स और मियामी- बिना कोई सेट गंवाए जीते थे. हालांकि, उनके लगातार 37 सेट जीतने का सिलसिला अचानक तब टूट गया जब दूसरे सेट में उनका नियंत्रण खो गया और चेक गणराज्य के माचाक ने इसका फायदा उठाकर टाई-ब्रेक जीत लिया. अक्टूबर में शंघाई

मास्टर्स के बाद यह पहली बार था जब सिनर ने इस स्तर पर कोई सेट गंवाया था; उस समय वह नीदरलैंड के टैलन ग्रीक्सपोर के खिलाफ चोट के कारण मैच से हट गए थे.

लेकिन सिनर ने मोनाको में अपना संयम वापस पाया, निर्णायक सेट को जीता और 6-1, 6-7 (3-7), 6-3 से जीत पूरी की - मास्टर्स टूर्नामेंट में यह उनकी लगातार 19वीं जीत थी. दूसरे वरीयता प्राप्त सिनर, जिन्होंने कभी क्ले-कोर्ट मास्टर्स 1000 खिताब नहीं जीता है, अंतिम आठ में कनाडा के छठी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिम का सामना करेंगे. यदि सिनर मोंटे कार्लो टूर्नामेंट जीत जाते हैं, तो सोमवार को जब रैंकिंग अपडेट होगी, तो वह कार्लोस अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे.

जोनाथन को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे आयुष

निंगबो (चीन), 10 अप्रैल भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली.

आज यहां टॉप-4 में जगह बनाने के साथ ही आयुष शेट्टी 2018 में एच.एस. प्रणय के बाद इस कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं. यह 2023 में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पुरुष डबल्स गोल्ड मेडल के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पहला मेडल भी होगा.

पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने क्वार्टर-फ़ाइनल में इंडोनेशिया के ओलंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया. पहला गेम बेहद कड़ा रहा, जिसमें कोई भी खिलाड़ी निर्णायक बढ़त नहीं बना पाया. पूर्व एशियाई चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी 11-10 की मामूली बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में गए. जोनाथन क्रिस्टी 18-15 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण बनाते दिख रहे थे और उन्हें गेम पॉइंट भी मिल गया था, लेकिन आयुष शेट्टी ने जोरदार वापसी की और मैच को टाई-ब्रेक में ले जाकर पहला गेम जीत लिया.

▸ दूसरा गेम...

दूसरा गेम भी उतना ही कड़ा रहा. आयुष शेट्टी 11-9 की मामूली बढ़त के साथ ब्रेक में गए, जिसके बाद उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. दोनों खिलाड़ियों के बीच यह पहली भिड़ंत थी, जिसमें आयुष शेट्टी ने जोनाथन क्रिस्टी के ख़िलाफ़ अपनी पहली जीत दर्ज की.

फीफा ने की विश्वकप के लिए मैच अधिकारियों की नियुक्ति

ज्यूरिख, 10 अप्रैल फीफा ने तीन साल से अधिक समय तक चली एक बहुत ही बारीकी और पूरी तरह से की गई चयन प्रक्रिया के बाद फीफा विश्वकप 2026 की देखरेख करने वाले मैच अधिकारियों की सूची जारी कर दी है.

फीफा टीम वन के ग्रुप में 52 रेफरी, 88 असिस्टेंट रेफरी और 30 वीडियो मैच अधिकारी शामिल हैं. ये सभी छह कॉन्फेडरेशन और 50 सदस्य संघों से आते हैं. फीफा विश्वकप के इतिहास में मैच अधिकारियों का यह अब तक का सबसे बड़ा और सबसे पूरा ग्रुप है. इन अधिकारियों की नियुक्तियां

फीफा टूर्नामेंट में और हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू प्रतियोगिताओं में किये गये प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए पुराने और अहम सिद्धांत 'गुणवत्ता सबसे पहले' के आधार पर की गई हैं. फीफा के मुख्य रेफरी अधिकारी और फीफा रेफरी समिति के अध्यक्ष पियरलुइगी कोलिना ने कहा, 'चुने गए मैच अधिकारी दुनिया में सबसे बेहतरीन हैं.

आईपीएल 2026 ▸ दो बड़े मुकाबले, चार टीमें और प्लेऑफ की जंग रणनीति, फॉर्म और दबाव की असली परीक्षा

चेन्नई-दिल्ली और पंजाब-हैदराबाद आमने-सामने

चेन्नई/मुल्लांपुर, 10 अप्रैल. आईपीएल 2026 में आज 'सुपर शनिवार' का रोमांच देखने को मिलेगा, जब एक ही दिन में दो बड़े मुकाबले खेले जाएंगे. पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना दिल्ली कैपिटल्स से चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मुकाबले में पंजाब किंग्स मुल्लांपुर में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी.

दोनों ही मैचों का असर पॉइंट्स टेबल पर साफ दिखेगा, क्योंकि चारों टीमें अपने-अपने

अभियान को मजबूती देने के इरादे से मैदान में उतरेंगी.

आईपीएल 2026 का रोमांच अपने चरम की ओर बढ़ रहा है और शनिवार को होने वाले दोनों मुकाबले टूर्नामेंट की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं. चेन्नई सुपर किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स बनाम सनराइजर्स

हैदराबाद—ये दोनों मैच न सिर्फ टीमों के फॉर्म का इम्तिहान हैं, बल्कि प्लेऑफ की दौड़ को भी दिलचस्प बना देंगे.

चेन्नई बनाम दिल्ली: अनुभव बनाम संतुलन की टक्कर

चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला हमेशा से रोमांचक रहा है. हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में चेन्नई का दबदबा है, जहां उन्होंने 31 में से 19 मुकाबले जीते हैं. लेकिन हाल के वर्षों में दिल्ली ने अपनी टीम को मजबूत बनाया है और चेन्नई को कड़ी चुनौती दी है.

चेन्नई की सबसे बड़ी ताकत उनका घरेलू मैदान है. एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए जानी जाती है. यहां बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने में मुश्किल होती है, जिससे मैच अक्सर लो-स्कोरिंग और रणनीतिक बन जाता है. चेन्नई की टीम इस पिच को अच्छी तरह समझती है और यही उनका सबसे बड़ा हथियार हो सकता है. हालांकि, चेन्नई के लिए चिंता का विषय उनका टॉप ऑर्डर है. पिछले मैच में शुरुआती बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए थे, जिससे टीम दबाव में आ गई थी. मिडिल ऑर्डर ने संभालने की कोशिश की, लेकिन वह पर्याप्त नहीं था.

> **पंजाब बनाम हैदराबाद**
>
> दूसरे मुकाबले में पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद आमने-सामने होंगे. यह मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. पंजाब किंग्स ने इस सीजन की शुरुआत शानदार तरीके से की है. उन्होंने अपने पहले तीन मैचों में से दो जीते हैं और टीम का आत्मविश्वास काफी ऊंचा है. उनकी बल्लेबाजी यूनिट संतुलित है, जिसमें कप्तान के साथ-साथ मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज भी लगातार योगदान दे रहे हैं. गेंदबाजी में भी पंजाब ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है. तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनरों ने भी मैच के महत्वपूर्ण मोड़ों पर विकेट लेकर टीम को बढ़त दिलाई है.